

पं. दीनदयाल उपाध्याय का साहित्य



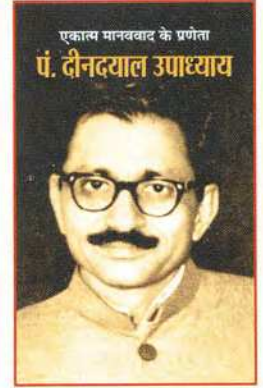
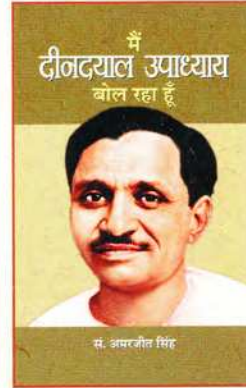
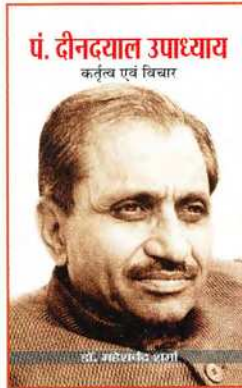
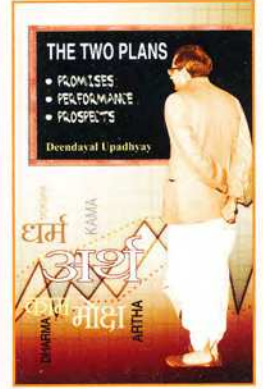
दीनदयाल उपाध्याय

संपूर्ण वाङ्मय

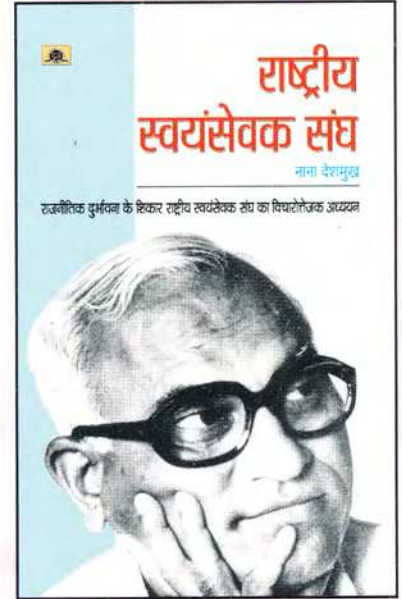
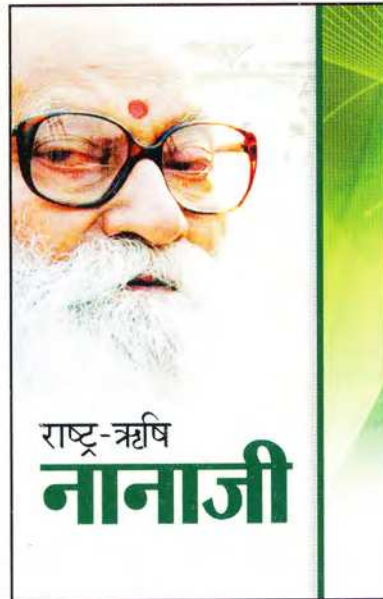
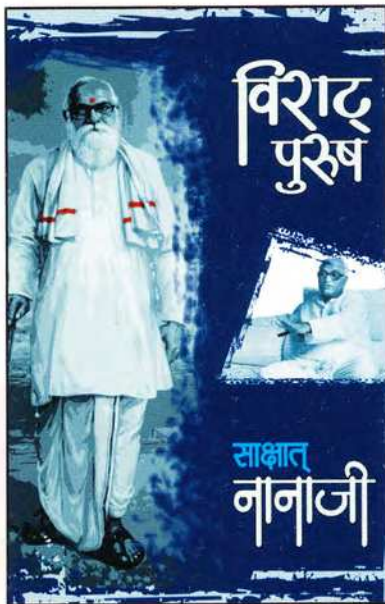
पंद्रह खंडों में

15
खंडों का सैट

डिमाई आकार के
5300 से अधिक पृष्ठ
दुर्लभ चित्रों के
80 रंगीन पृष्ठ



नानाजी देशमुख का साहित्य



(6 खंडों का सैट)